

परोपकृत वि. (तत्.) दूसरों ने जिसका उपकार या भला किया हो।

परोपजीवी वि. (तत्.) दूसरों के सहारे/भरोसे जीवन निर्वाह करने वाला पुं. ऐसे कीट-पतंगे या कीड़े-मकोड़े जो दूसरे जीव-जंतुओं या वृक्षों के सहारे रहकर जीवन निर्वाह करते हों।

परोपदेश पुं. (तत्.) 1. पर-उपदेश, दूसरे को दिया गया उपदेश या सीख।

परोपसर्पण पुं. (तत्.) 1. किसी अन्य के पास जाना 2. भिक्षा माँगना, भिक्षाटन।

परोल पुं. (अं.) 1. सेना अधिकारी द्वारा बोला गया वह सांकेतिक शब्द या कोड शब्द जिसे उसकी सेना के लोग समझ कर अधिकारी को अपने दल का मान लेते हैं, यह गुप्त-कोड होता है जो दल विशेष के लोग ही जानते और समझते हैं।

परोष्टि स्त्री. (तत्.) एक कीड़ा जिसे तिलचट्टा भी कहा जाता है।

परोष्णी स्त्री. (तत्.) 1. तिलचट्टा नामक कीड़ा, तेल पीने वाला कीड़ा 2. कश्मीर देश की एक नदी, जिसका उल्लेख पुराणों में भी मिलता है 3. रावी नदी का नाम।

परोसना स.क्रि. (देश.) किसी के समक्ष खाने के अनेक भोजन रखना, परसना।

परोसा पुं. (देश.) 1. एक व्यक्ति के लिए किया गया वह भोजन जिसे वह अपने साथ ले जाता है या उसके यहाँ इसे भेजा जाता है 2. पत्तल पर परोसा गया एक व्यक्ति का खाना।

परोसैया पुं. (देश.) खाने के लिए भोजन सामने लगाने या परोसने वाला।

परोहन पुं. (तद्.) 1. जिस पर सवार होकर यात्रा की जाए, सवारी 2. जिस पर बोझ लादा जाए जैसे- गाड़ी 3. बोझ लादने वाला पशु, यथा घोड़ा, बैल, गधा।

परोहा पुं. (देश.) 1. चमड़े का ऐसा बड़ा थैला जिससे कुओं से पानी निकाल कर किसान अपने खेत सींचते हैं 2. मोट, पुर।

परौका स्त्री. (देश.) पूर्णतः जवान होने पर भी बच्चा न देने वाली भेड़, बाँझ भेड़।

परौता स्त्री. (देश.) 1. अनाज बरसाते समय हवा करने वाला वस्त्र या चादर 2. दे. परती।

पर्कट पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का बगला 2. अनुताप, परिताप, ग्लानि।

पर्कटी स्त्री. (तत्.) 1. पाकर वृक्ष 2. ताजी सुपारी, नई सुपारी 3. बगले की मादा, मादा बगला।

पर्चा पुं. (देश.) दे. परचा।

पर्चून पुं. (देश.) दे. परचून।

पर्चूनिया पुं. (देश.) दे. परचूनी।

पर्जनी स्त्री. (तत्.) दारुहल्दी।

पर्जन्य पुं. (तत्.) 1. बादल, मेघ 2. विष्णु 3. इंद्र 4. सूर्य 5. बादलों की गर्जना 6. वर्षा 7. कश्यप ऋषि के एक पुत्र का नाम, जो गंधर्वों में गिने जाते हैं।

पर्जन्या स्त्री. (तत्.) दारुहल्दी।

पर्ण पुं. (तत्.) 1. प्रण, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. पत्रा, पर्ण, पत्र 3. पार्णकि गोत्र के प्रवर्तक ऋषि का नाम 4. पत्रा, पत्र 5. पद, पंख 6. पलाश का पेड़ 7. तांबूल, पान 8. बाण का पंख, तीर का पंख।

पर्णकार पुं. (तत्.) पान बेचने वाली एक जाति जो तंबोली या बरई कहलाती है।

पर्णकुटी स्त्री. (तत्.) पत्तों से बनी हुई कुटिया, पर्णशाला।

पर्णखंड पुं. (तत्.) 1. ऐसी वनस्पति जिसमें फूल नहीं लगते 2. पत्तों का ढेर।

पर्णचीरपट पुं. (तत्.) शिव, महादेव।

पर्णमृग पुं. (तत्.) पेड़ों पर रहने वाला पशु जैसे- वानर।

पर्णल वि. (तत्.) पत्तों वाला, पत्तों से भरा हुआ।